फरीदाबाद
# मजदूर समाचार
अनुभवों तथा विचारों के आदान-प्रदान के जरियों में एक जरिया

'मजदूर समाचार' की कुछ सामग्री अंग्रेजी में इन्टरनेट पर है। देखें–
< http://faridabad majdoorsamachar.blogspot.in >

डाक पता : मजदूर लाईब्रेरी,
आटोपिन झुग्गी, एन.आई.टी.
फरीदाबाद – 121001

*नई सीरीज नम्बर* **349** *1/–* *जुलाई* **2017**

# ज्ञान और विशेष कौशल *बुद्धि* में टकराव

भइया , अपने आप को ज्ञानी समझो।

क्यों ?

ज्ञानी तब बनते हो जब अपने हालात से हट कर दूसरों के सामने अपने विचार , अपनी शंकायें , और अपने तथा दूसरों के अनुभवों की व्याख्या करते हो। और सुनो , यह सब कर सकते हैं लेकिन कई बार करने से चूक जाते हैं क्योंकि अपने को ज्ञानी नहीं समझते।

शायद वो ज्ञानियों को ढूँढते हैं।

अरे बुद्धु। अगर तू अपने को ज्ञानी नहीं मानेगा तो दूसरे का ज्ञान समझ कैसे आयेगा। और यह कैसे समझेगा कि वो ज्ञान की बातें कर रहा है या कुछ अपनी मतलब की पका रहा है।

तो आपका कहना है कि ज्ञान और अपना मतलब, अपना हित अलग-अलग हैं ?

तू एक कोई सोच अपने दिमाग में ले जिसको तू ज्ञान मान सकता है। और देख कि अपने निजी हित से वो कितना पास या दूर है।

आप दोनों की बातचीत में एक टैन्शन है जिसको मैं थोड़ा समझना चाहती हूँ। मुझे लग रहा है कि आप विशेष कौशल की जो बुद्धि होती है उससे ज्ञान को टकरा रहे हो । उदाहरण के लिये मैं ले सकती हूँ वकील या मैनेजर को जिन्हें आप अपने ज्ञान से तौलते हो। और कुछ लोगों से सामना होने पर अपने ज्ञान से तौलना धुँधला भी पड़ जाता है।

थैंक्यू फ्रैन्ड। आपसे मिल कर खुशी हुई और आपने बहुत सफाई से मेरी बात को मेरे से बैटर सोचा है।विशेष कौशल बुद्धि , वाह! कितनी साफ परिभाषा है। और इनसे टकराव में है , घालमेल में है , नाराजगी में है , विरोध में है हमारे जीवन का ज्ञान। यह सब में होता है।

इसलिये शायद अगर कोई मुझे अज्ञानी कहता है तो दुख लगता है । लगता है कि मैं अपना परिचय पूरी तरह नहीं दे पाया।

मुझे आप लोगों की बात सुन कर अभी हाल का एक प्रसंग याद आ गया। कुछ फैक्ट्रियों में कामगारों को तीन दिन की पगार दे कर लिखने को कहा गया।

वाह ! यह तो गजब का डेवलेपमेन्ट है। वैसे तो बहुत लोगों को लिखने और सोचने के लिये पगार दी जाती है तथा उनके प्रोडक्शन टारगेट होते हैं लेकिन इसका बूँद-बूँद कर हमारे बीच टपकना बेहतरीन बात है।

अरे सुनो तो। उन्होंने लिखा क्या ?

कोई विषय पर नहीं लिखा ।अपनी विशेष कौशल बुद्धि नहीं दिखाई। अपने हालात से दूर चले गये। उन्होंने कोई याचिका नहीं लिखी , कोई अर्जी नहीं लिखी।

फिर लिखने को क्या रह गया ?

ज्ञान चर्चा। वे अपने निजी हित से दूर गये। कुछ बगावत की बू। कुछ दोहे। कुछ आसमान। कुछ अज्ञात दुनिया। कुछ गीतों की लाइन।

और फिर क्या हुआ इससे ?

इस ज्ञान चर्चा से दूसरी फैक्ट्रियों में कोलाहल मच गया।

यही तो मैं कह रहा था भाई । ज्ञान से आप विशेष कौशल बुद्धि के धुरन्धरों और उनके गुटों को सवालों के घेरे में ला कर काउन्टर उदाहरणों से उनके कब्जे ढीले कर, नट-बोल्ट खोल सकते हैं।

अब आप जिस ज्ञान की बात कर रहे हैं वह जीवन के ज्ञान का नैटवर्क रूप है। इसमें पीढी के , पीढियों के आरपार के , स्थानीय और वैश्विक , जमीन और आसमान के , और दोस्तों के बीच के, कार्यस्थलों के बीच के , नाइट बसों में बातचीतों के इत्यादि-इत्यादि के शब्द और स्वर हैं।

मुझे अभी जा कर इसे लिख लेना पड़ेगा। बात थोड़ी घुमाऊ हो गई है। ज्ञान का हम सब के पास होना, ज्ञान की विस्तृत परिभाषा और इसका विशेष कौशल बुद्धि से टैन्शन को मुझे अभी थोड़ा और गहराई से समझना होगा।

आपके इस ऑटो में फिर से मिलेंगे। एक फैक्ट्री के कुछ दोस्तों को लाऊँगी जिनकी हाल ही में नौकरी गई है विशेष कौशल बुद्धिवालों के फेर में।

जरूर साथी। जरूर।

# कई बातें कईयों में बातचीतों में

दिल्ली में ओखला औद्योगिक क्षेत्र हो , चाहे गुड़गाँव में उद्योग विहार , या आई एम टी मानेसर , या फिर फरीदाबाद हो , बातचीत में कई फैक्ट्रियों के मजदूर शामिल हो जाते हैं और अनेक प्रकार की बातें होती हैं। लेकिन मजदूर समाचार में हम आमतौर पर फैक्ट्री-विशेष के आधार पर विवरण देते रहे हैं। ओखला में फरवरी 2013 और उद्योग विहार में फरवरी 2015 में हुई व्यापक बातचीत की झलक हम अवश्य दे पाये थे।

अकेले-दुकेले में भी , रोने-धोने में भी बातें जारी रहने पर कई तरह की चर्चा और कई जगह के उदाहरण बातों में आते हैं। व्यापकता प्रत्येक में है। एकमेव और एकमय के इस दौर में , in this era of unique and together , सात अरब मनुष्य तो प्रस्थान-बिन्दू हैं। पृथ्वी पर और अन्तरिक्ष में जीव तथा निर्जीव के तौर पर परिभाषित सब एक-दूसरे से घनिष्ठता से जुड़े हैं। प्रत्येक का अस्तित्व दाव पर लग जाना एक बात है। अधिक महत्वपूर्ण है होने का अर्थ और उत्सव , जीवन में आनन्द।

कईयों के बातचीत में शामिल होने पर जो होने का , एक व अनेक होने का अर्थ और खुशी , प्रसन्नता , आनन्द तथा जानकारियाँ एवं प्रेरणायें मिलती हैं उन्हें हम यहाँ प्रस्तुत करने की कोशिश कर रहे हैं।

✶ सुबह-सुबह एक गार्ड ने उत्साह से बताया : पिछले वर्ष दिवाली के समय की बात है। प्रोलारनिंग सेक्युरिटी (मुख्यालय सुशान्त लोक , गुड़गाँव) ने डी एल एफ बिल्डिंग सर्विस में 5-6 हजार गार्ड सप्लाई किये हैं। साहब बोले थे कि तनखा दिवाली बाद देंगे। सात तारीख की साँय तक वेतन नहीं आया। तय किया कि तनखा देंगे तब ड्युटी करेंगे। आठ नवम्बर को सुबह स्ट्राइक कर दी। दस बजे सब गार्डों को तनखा दे दी! इतने में सुजुकी फाई में रात ड्युटी कर आये युवा अपनी कहने लगे: हम 100 को एक ठेकेदार कम्पनी के जरिये रखा है। कम्पनी 8-8 घण्टे की तीन शिफ्ट दिखाती है पर टेम्परेरी वरकरों की 12-12 घण्टे की दो शिफ्ट हैं। तीन रविवार को भी 12-12 घण्टे की ड्युटी। कई छात्र हैं जो नौकरी के संग पढाई भी कर रहे हैं। पढाया जाता है कि स्वतंत्रता है , अधिकार हैं। लेकिन फैक्ट्री में आजादी थोड़ी भी नहीं , जबरन 12 घण्टे रोकते हैं.... बूँदा-बाँदी।

✶ आई एम टी मानेसर में : नाइट शिफ्ट में 12 घण्टे ड्युटी कर लौटे किरण उद्योग (32 सैक्टर-3) वरकर बोले कि 250 परमानेन्ट मजदूरों को मई की तनखा 18 जून को जा कर दी और अप्रैल तथा मई के ओवर टाइम के पैसे 30 जून तक नहीं दिये थे। फैक्ट्री में 500 मजदूर 12-12 घण्टे की दो शिफ्टों में , ओवर टाइम सिंगल रेट से...... नाइट शिफ्ट से लौट रहे मारुति सुजकी कास्टिंग वरकर बोले कि कम्पनी टेम्परेरी को निकाल रही है.... सिग्मा मोल्डिंग (149-150 सैक्टर-5) फैक्ट्री मजदूर : गाँव गया था। कल आना , परसों आना कहते एच आर वाले तीन महीने से चक्कर कटवा रहे हैं...... वीएक्सेस (12 सैक्टर-5) फैक्ट्री एटलस चौक , गुड़गाँव से आई है। वहाँ के मजदूरों को 2 वर्ष का फण्ड नहीं मिला है। कुछ को यहाँ लाई थी और उन्हें अब निकाल रही है। पीने के पानी का मात्र एक नल, लाइन लगी रहती है...... टालब्रोस (51 सैक्टर-3) फैक्ट्री में टेम्परेरी 300 थे अब 100 हैं। कम्पनी टेम्परेरी की जगह डिप्लोमा ट्रेनी एक वर्ष के लिये रख रही है , 8400 रुपये तनखा पर.....इन्डयुरैन्स टैक्नोलॉजी (400 सैक्टर-8) फैक्ट्री में परमानेन्ट के संग 300 टेम्परेरी को 1000-2000 रुपये प्रोडक्शन इन्सेन्टिव मार्च से यह कह कर बन्द कर दिया है कि कम्पनी घाटे में जा रही है — उत्पादन पहले जितना ही हो रहा है। बफिंग और फैटेलिंग वाले 150 टेम्परेरी की 12-16 घण्टे ड्युटी और प्रोडक्शन इन्सैन्टिव था ही नहीं। मैनेजमेन्ट से समझौते के समय दबाव डालने के लिये यूनियन लीडर टेम्परेरी वरकरों को प्रोडक्शन डाउन करने को कहते हैं। इस प्रकार 2012 में परमानेन्ट के 10,500 रुपये बढे और 2015 में 13,000 रुपये बढे। फिर यूनियन लीडर कहते हैं कि मैनेजमेन्ट उनकी सुनती ही नहीं : 5 वर्ष में दो बार करके टेम्परेरी वरकरों के एक-एक हजार रुपये बढाये हैं और बफिंग व फैटलिंग वालों के तो वह भी नहीं.....ड्युटी की जल्दी में एक वरकर बोला : होण्डा फैक्ट्री में काम करते मालियों की बातें छपने से इतनी मिर्ची लगी कि 16 में से 8 को निकाल दिया और नये भर्ती किये हैं लेकिन कैन्टीन में चाय-भोजन मालियों को अब भी मना है।

✶ किरण उद्योग (बी-182 ओखला फेज-1, दिल्ली) फैक्ट्री में जो वरकर कम्पनी रोल पर हैं उनके बैंक खातों में तनखा में ओवर टाइम के पैसे जोड़ कर तनखा के तौर पर दिखाते हैं , नये ग्रेड अनुसार तनखा देना दिखाते हैं। जो मजदूर कम्पनी रोल पर नहीं हैं उनकी तनखा 5-6000 रुपये, नकद देते हैं..... महिला मजदूर : नये ग्रेड पर हस्ताक्षर करवाते हैं , देते पुराना ग्रेड हैं। एतराज पर गेट रोक देते हैं। इतनी बेरोजगारी है कि ठेकेदार 6000 रुपये में महिला वरकर ले आते हैं..... आई सी एम (ए-204 ओखला फेज-1) फैक्ट्री में मोती-सितारे वाली महँगी ड्रैस बनाते वरकरों से साहब कहते हैं कि नया ग्रेड अभी नहीं आया है.....फ्लिक इंडिया (डी-50 ओखला फेज-1) फैक्ट्री में 18 पावर प्रैस। कई के हाथ कटे हैं। तनखा नहीं बढा रहे इसलिये वरकरों ने सब ढीला-ढाला कर रखा है। अभी कम्पनी कुछ नहीं बोल रही.......बी-257 ओखला फेज-1 एक्सपोर्ट फैक्ट्री में 100 मजदूर 1 जुलाई को मैनेजिंग डायरेक्टर के पास गये तो साहब बोला कि पी एफ अधिकारी कहेंगे कि इतने पर राशि काटनी है तब हम नया ग्रेड देंगे. .... सरवेल केबल (डी-6/1 ओखला फेज-2) फैक्ट्री में तनखा बैंक भेजने की बजाय 4 महीने से नकद देने लगे हैं। अप्रैल की 20 मई बाद दी। मजदूरों ने लड़-झगड़ मई की 12 जून को ले ली। स्टाफ की 3 महीने की तनखा बकाया..... कॉमकॉन इन्डस्ट्रीज (एस-54 ओखला फेज-2) फैक्ट्री में नौकरी ढूँढने का नोटिस लगाया तब मई 2015 में 220 रुपये सदस्यता शुल्क दे कर एक यूनियन से जुड़े। नेता ने नौकरी रहेगी कहा। यूनियन ने जगह-जगह शिकायतें की। परेशान मैनेजमेन्ट के पास लीडर का भतीजा गया। फिर बोला कि हिसाब ले लो। गुस्से में यूनियन ऑफिस गये तो लीडर ने मैनेजर का फोन नम्बर ले कर हमारे सामने खूब हड़काया और अगले दिन 11 बजे मजदूरों को साथ ले कर यूनियन ऑफिस आने को कहा। मैनेजर ने फैक्ट्री में वरकरों से बात ही नहीं की। साँय मैनेजर निकला तब वरकरों ने निगाह रखी। मैनेजर की कार यूनियन ऑफिस गई। तब हम दूसरी यूनियन के पास गये और सदस्यता के 120-120 रुपये दिये। दूसरी यूनियन ने हमारा हिसाब करवा दिया और उसमें से 10 प्रतिशत ले लिया.

✶ कम्पनी-संस्था के बही खातों में ग्रेड, ओवर टाइम, बोनस , ग्रेच्युटी सब चढाते हैं और मैनपावर सप्लाई करने वाली कम्पनियों के अधिकारी तथा जो कम्पनियाँ इनसे वरकर लेती हैं उनके अधिकारी मिल-बाँट कर वरकरों के पैसे खाते हैं। फरीदाबाद में रावल स्कूल में गार्ड को 12 घण्टे प्रतिदिन ड्युटी पर 30-31 दिन के 7600-8500 रुपये। और , सैक्टर-11 में साँई मंदिर में गार्ड को 12 घण्टे रोज ड्युटी पर 30-31 दिन के 6000 रुपये तथा एक समय का भोजन...... बुजुर्ग गार्ड की बातें सुन रहा युवा वरकर बोला : के सी एल (235 तथा 276 सैक्टर-24) फैक्ट्रियों में 500 मजदूर 12 घण्टे की एक शिफ्ट में काम करते हैं। नब्बे प्रतिशत से ज्यादा वरकर टेम्परेरी हैं। ओवर टाइम के पैसे मिला कर बैंक में भेजते हैं , तनखा को ग्रेड से ज्यादा दिखा देते हैं। अप्रैल में तनखा बढाने की कह कर वरकर छोड़-छोड़ कर जाने लगे तब मैनेजमेन्ट ने जून से 400 रुपये बढाने की बात की। अब महिला मजदूर की तनखा 5200 रुपये और पुरुष वरकर की 7000 रुपये हुई है। कम्पनी 12 घण्टे में एक कप चाय तक नहीं देती...... स्टार वायर (21/4 मथुरा रोड़) फैक्ट्री में 2500 वरकर जिन में 100 परमानेन्ट.

# कुछ विस्तार में

✶ 16 जून , शुक्रवार को सुबह साढे नो बजे वैल्डिंग सैट में करन्ट के कारण फरियाद अन्सारी की ***ओसवाल कास्टिंग*** (48-49 इन्डस्ट्रीयल एरिया , फरीदाबाद) फैक्ट्री में मृत्यु हो गई । प्लॉट 48 में नया निर्माण , फर्श की तराई के लिये पानी भरा था , पानी में रखे वैल्डिंग सैट का 50 गज दूर प्लग पुराने तार से जुड़ा था , लोहे की डाली छत में वैल्डिंग हो रही थी ।

फरियाद अन्सारी की तत्काल मृत्यु हो गई थी लेकिन साँस चल रही है कह कर मैनेजमेन्ट ई एस आई मेडिकल कॉलेज ले गई । फैक्ट्री में 600 मजदूर काम करते हैं लेकिन एम्बुलैन्स नहीं है । फरियाद अन्सारी को ऑटो में ले गये और डॉक्टरों ने "मृत लाया गया" कह कर लाश को पोस्ट मार्टम के लिये भेज दिया ।

फैक्ट्री में मृत्यु के बाद से मोटे-मोटे बाबा और पुजारी ओसवाल कास्टिंग फैक्ट्री में डेरा-सा डाले हैं । रात 1 बजे तक हवन । शुक्रवार , 23 जून को रात 12 से साढे तीन बजे तक किये गये हवन में कम्पनी का चेयरमैन भी शामिल था ।

ओसवाल कास्टिंग से टी वी एस बाइक ने दो वर्ष पहले काम वापस ले लिया । अब यहाँ ब्रिजस्टोन , हैवेल्स , लुकास टी वी एस , उकाल , ओरियन्ट इलेक्ट्रिक के लिये हिस्से-पुर्जे बनते हैं । फैक्ट्री में 12-12 घण्टे की दो शिफ्ट हैं , ओवर टाइम का भुगतान सिंगल रेट से । प्रेशर डाइकास्टिंग में 2 मशीनों पर 3 आदमी कर दिये हैं जबकि 4 होने चाहियें । रैस्ट रूम नहीं है । कैंटीन नहीं है , भोजन करने के लिये स्थान नहीं है । अधिकतर वरकर टेम्परेरी हैं , ठेकेदार कम्पनियों के जरिये रखे हैं । प्रोडक्शन इन्सेन्टिव के 800-1000 रुपये महीना बनते थे , आठ महीने से देने बन्द कर दिये । जनवरी 2017 से देय डी ए मई की तनखा से दिया , एरियर नहीं दिया ।

रिजेक्शन की भरमार । मात्र 35-40 प्रतिशत माल ओके होता है । मैनेजरों से डायरेक्टर गाली-गलौज करता है । इधर नये भर्ती किये तीन मैनेजरों को 10 दिन में निकाल दिया । मैनेजरों को मई की तनखा के चैक 23 जून को दिये । आधी तनखा के चैक दिये हैं और डायरेक्टर बोला है कि बाकी आधी तनखा तब देंगे जब जून का निर्धारित उत्पादन 70 प्रतिशत ओके होगा ।

✶ फरीदाबाद में सैक्टर-6 में प्लॉट 20, 24, 36, 37 में ***के आर रबराइट*** कम्पनी की फैक्ट्रियाँ हैं । प्लॉट 36 में मुख्यालय है और यहाँ दिन में 700 तथा रात में 400 वरकर काम करते हैं । दोनों शिफ्टें 12-12 घण्टे की हैं । रविवार को सुबह 8 से दोपहर 2 बजे तक काम लेकिन वी एम सी मशीनों पर 12-12 घण्टे ही । महीने में 120-150 घण्टे ओवर टाइम के, भुगतान दुगुनी दर की बजाय सिंगल रेट से । ओवर टाइम को दिखाते नहीं हैं , तनखा के साथ बैंक खातों में भेज कर तनखा ज्यादा दिखाते हैं । नब्बे प्रतिशत वरकर तथा स्टाफ को 8-9 ठेकेदार कम्पनियों के जरिये रखा है ।

के आर रबराइट कम्पनी मारुति सुजुकी की वैन्डर है । कुछ माल महिन्द्रा का भी बनता है । मारुति सुजुकी से लोग आते रहते हैं । एक हजार टन की 7-8 पावर प्रेस हैं और 200-300-400 टन की 40 हैं । प्रोडक्शन के चक्कर में सब पावर प्रैसों से सैन्सर हटा दिये हैं । डेढ-दो साल से एक्सीडेन्ट कम होते हैं , इससे पहले एक हाथ तो हफ्ते में कट ही जाता था । तब हैल्परों को पावर प्रैस चलाने में लगा देते थे । अब ऑपरेटर ही चलाते हैं । वैल्डिंग में 10-12 रोबोट हैं और टेम्परेरी वरकर वहाँ काम करते हैं ।

✶ ***इन्टरवीव फैशन*** (बी-294 ओखला फेज-1, दिल्ली) फैक्ट्री में अभी कुछ काम डाउन है अन्यथा महीने में कम से कम 15 फुल नाइट — सुबह साढे नो बजे से अगली सुबह 5 बजे तक काम और कुछ आराम के बाद फिर साढे नो से ड्युटी । महीने में 200 घण्टे ओवर टाइम सामान्य और 300-350 घण्टे तक हो जाता है , भुगतान सिंगल रेट से । ओवर टाइम मिला कर उन 50-60 की तनखा ज्यादा दिखाते हैं जिन्हें चैक से देते हैं । वर्षों से काम कर रहे 125 वरकर टेम्परेरी हैं , ई एस आई नहीं , पी एफ नहीं ,पैसे नकद देते हैं ।

# साझेदारी

✶ मजदूर समाचार की 15-16-17 हजार प्रतियाँ छापते हैं । आई एम टी मानेसर, उद्योग विहार गुड़गाँव, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फरीदाबाद में मजदूर समाचार का वितरण हर महीने होता है । दिल्ली के इर्द-गिर्द के औद्योगिक क्षेत्रों में मजदूर समाचार की बीस हजार प्रतियाँ प्रतिमाह आवश्यक लगती हैं । बाँटने में अधिक लोगों की साझेदारी के बिना यह नहीं हो सकेगा । सहकर्मियों-पड़ोसियों-मित्रों-साथियों को देने के लिये 10-20-50 प्रतियाँ हर महीने लीजिये और मजदूर समाचार के वितरण में साझेदार बनिये ।

✶ मजदूर समाचार के वितरण के दौरान फुरसत से बातचीत मुश्किल रहती है । इसलिये मिलने-बातचीत के लिये पहले ही सूचना देने का सिलसिला आरम्भ किया है । चाहें तो अपनी बातें लिख कर ला सकते हैं, चाहें तो समय निकाल कर बात कर सकते हैं, चाहें तो दोनों कर सकते हैं ।

***— मंगलवार, 1 अगस्त को सुबह 6 बजे से 9½ तक आई एम टी मानेसर में सैक्टर-3 में बिजली सब-स्टेशन के पास मिलेंगे। खोह गाँव की तरफ से आई एम टी में प्रवेश करते ही यह स्थान है। जे एन एस फैक्ट्री पर कट वाला रोड़ वहाँ गया है।***

***— उद्योग विहार, गुड़गाँव में फेज -1 में पीर बाबा रोड़ पर वोडाफोन बिल्डिंग के पास सोमवार, 31 जुलाई को सुबह 7 से 10 बजे तक बातचीत के लिये रहेंगे। यह जगह पेड़ के नीचे चाय की दुकान के सामने है।***

***— बुधवार, 2 अगस्त को सुबह 7 से 10 बजे तक चर्चा के लिये ओखला-सरिता विहार रेलवे क्रॉसिंग (साइडिंग) पर उपलब्ध रहेंगे।***

✶ फरीदाबाद में जुलाई में हर रविवार को मिलेंगे । सुबह 10 से देर साँय तक अपनी सुविधा अनुसार आप आ सकते हैं । फरीदाबाद में बाटा चौक से थर्मल पावर हाउस होते हुए रास्ता है । ऑटोपिन झुग्गियाँ पाँच-सात मिनट की पैदल दूरी पर हैं।

फोन नम्बर : 0129-6567014

व्हाट्सएप के लिये नम्बर : 9643246782

ई-मेल < majdoorsamachartalmel@gmail.com >

# कहाँ—कहाँ से गुजर लिया

✶ पिताजी एस्कोर्ट्स कम्पनी में परमानेन्ट मजदूर थे । मैंने पहली नौकरी 1992 में फरीदाबाद में यामाहा फैक्ट्री में की । छह महीने में ब्रेक । फिर तो 6 महीने का सिलसिला चल पड़ा । एस्कोर्ट्स फार्मट्रैक, एस्कोर्ट्स फस्ट प्लान्ट , एस्कोर्ट्स थर्ड प्लान्ट में बारी-बारी से और मुड़-मुड़ कर लगा । जब एस्कोर्ट्स फार्मट्रैक में था तब एक रोज ड्युटी से छूटने पर सड़क पर एक्सीडेन्ट का शिकार हुआ । पैर की जाँघ की हड्डी टूटी । पाँच वर्ष के बाद कार चालक से 60,000 रुपये मुआवजा मिला ।

फरीदाबाद में सैक्टर-59 में कोविट इंजीनियरिंग फैक्ट्री में सी एन सी ऑपरेटर का काम किया । सैक्टर-59 में ही प्लॉट 14 में यही काम किया । विकास फोरजिंग (174 सैक्टर-24) फैक्ट्री में सी एन सी ऑपरेटर रहा । जे सी बी फैक्ट्री में हैण्ड ब्रेक असेम्बली में काम किया । ओसवाल कास्टिंग (48-49 इन्डस्ट्रीयल एरिया) फैक्ट्री में लगा ।

बेंगलुरू गया और वहाँ मॉडल फैब्रिकेशन फैक्ट्री में पेन्ट का काम किया । इधर फिर फरीदाबाद में सैक्टर-24 में एक फैक्ट्री में लगा हूँ ।

# कुछ इमेल पते

| | |
|---|---|
| मुख्य मन्त्री, हरियाणा | < cm@hry.nic.in> |
| श्रम आयुक्त, हरियाणा | < labour@hry.nic.in> |
| मुख्य मन्त्री, दिल्ली | < cmdelhi@nic.in> |
| श्रम विभाग दिल्ली | < labjlc2.delhi@nic.in > |
| ई एस आई महानिदेशक | < dir-gen@esic.nic.in > |
| केन्द्रीय भविष्यनिधि आयुक्त | < cpfc@epfindia.gov.in > |
| चीफ विजिलैन्स पी एफ | < cvo@epfindia.gov.in > |

# नोएडा में

सूरजपुर स्थित ***प्रियागोल्ड बिस्कुट*** फैक्ट्री के जनरल मैनेजर ने 17 नामजद और 300 अन्य मजदूरों के खिलाफ दँगा , घातक हथियारों के साथ दँगा , हत्या का प्रयास आदि धाराओं के तहत थाने में एफ आई आर दर्ज करवाई है।

प्रियागोल्ड फैक्ट्री में ढाई हजार मजदूर 12-12 घण्टे की दो शिफ्टों में काम करते हैं। अधिकतर वरकर ठेकेदार कम्पनियों के जरिये रखे गये हैं। प्रतिदिन 12 घण्टे ड्युटी पर महीने के 9000 रुपये।

29 जून को नाइट शिफ्ट के मजदूर फैक्ट्री के अन्दर पहुँच गये थे और दिन की शिफ्ट के वरकर छूटने वाले थे। प्रोडक्शन लाइन पर कम्पनी के एक अधिकारी और मजदूरों के बीच साढे सात बजे के करीब बहस हुई। प्रियागोल्ड कम्पनी के चेयरमैन के अनुसार बहुत-ही मामुली बात थी। अधिकारी द्वारा एक वरकर के थप्पड़ मारने पर बवाल हुआ।

दोनों शिफ्टों के मजदूर इक्ट्ठे हो गये। रिसेप्शन तथा सेक्युरिटी ऑफिस और फैक्ट्री परिसर में खड़ी कारों पर वरकरों ने हमला किया। रात 8 बजे पुलिस दल फैक्ट्री पहुँचा। रात साढे नो बजे पुलिस की बीस से ज्यादा गाड़ियाँ वहाँ खड़ी थी। पुलिस लाठियों से मजदूरों को खदेड़ने की कोशिश कर रही थी। आसपास से लोग एकत्र हो गये थे और उन्हें हटाने के लिये भी पुलिस लाठियाँ चला रही थी। पत्थरबाजी में दो थानेदार भी घायल हुये।

अगले दिन , 30 जून को मजदूर फैक्ट्री नहीं पहुँचे। प्रियागोल्ड फैक्ट्री 30 जून को बन्द पड़ी थी। (सुश्री शिखा की 1 जुलाई 2017 के टाइम्स ऑफ इण्डिया में रिपोर्ट से जानकारी ली है।)

# नाहरपुर में बातचीत

आई एम टी मानेसर में 30 जून को सुबह नाहरपुर में बातचीत मजेदार रही। मौसम अच्छा था , थोड़ी बूँदाबाँदी रही। काफी लोग बात करने रुके। ***मैक्सशॉप*** (10 व 27 सैक्टर-6) के वरकरों ने दिवाली पर बोनस के लिये उन्होंने जो कदम उठाये थे उनकी बड़े जज्बे के साथ याद दिलाई। ***संसेरा इंजीनियरिंग*** (22 व 23 सैक्टर-6) ट्रेनी बोले कि हमें 8 घण्टे काम करना होगा कहा था और 12 घण्टे काम लेने लगे। आठ घण्टे करेंगे कहने पर मैनेजमेन्ट बोली कि 12 घण्टे करो वरना जाओ। फैक्ट्री में 400 मजदूर 12-12 घण्टे की दो शिफ्टों में काम करते हैं , साढे तीन घण्टे को ओवर टाइम बताते हैं लेकिन पेमेन्ट सिंगल रेट से करते हैं। ***मारुति सुजुकी*** (सैक्टर-8) वरकर ने मशीनिंग विभाग में कुछ दिन पहले लगी आग के बारे में बताया। भोजन अवकाश में मेन्टेनैन्स वरकरों ने बताया कि शार्ट सर्किट से आग लगी थी। एक घण्टे काम बन्द रहा था। ***शांति ऑटो*** (128 सैक्टर-7) फैक्ट्री में हरियाणा सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन से कम तनखा, 7500 रुपये की बात एक मजदूर ने कही। ***एन्स्टो इंडिया*** (241 व 242 सैक्टर-6) फैक्ट्री में बिजली वितरण में लगते आई पी केबल बनाते पुराने ऑपरेटरों से मैनेजमेन्ट बदतमीजी करती है ताकि छोड़ जायें और कम तनखा में नई भर्ती कर ले। ***पी सी जैन टैक्सटाइल*** (31 सैक्टर-6) फैक्ट्री में 450 बन्दे इम्ब्राइड्री का काम करते हैं। तनखा कम , ड्युटी 12 घण्टे की, ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से भी कम। खैर , डिस्पैच हुआ काफी माल बायरों द्वारा रिजैक्ट हो कर वापस फैक्ट्री आ जाता है। ***फरीदाबाद*** में काम कर चुके एक युवा को ताज्जुब था कि उसने मजदूर समाचार इससे पहले नहीं देखा था। ***जी जे एस कम्पोनेन्ट्स*** (37 सैक्टर-6) फैक्ट्री के युवा वरकर ने अपनी कहानी सुनाई : फिरोजाबाद में जन्म। माँ बचपन में गुजर गई। चूड़ी कारखाने में काम करते पिताजी ने आत्महत्या कर ली। दो साल बड़ा भाई और मैं चाचा-चाची के पास रहे। जब 6 वर्ष का था तब गोदाम में काम करने लगा। जब 12 का हुआ तो चूड़ी कारखाने में लगा। फिर ईंट-भट्ठे पर बेलदारी की। काम करने के संग-संग पढाई की। सुबह 5 बजे उठना, खाना बना स्कूल जाना , लौट कर काम पर जाना। दसवीं में फेल हो गया। दोस्तों के साथ ताजमहल घूम लिया, लाल किला भी देखा। चाचा-चाची से रिश्तों में कड़वाहट आ गई। उन्होंने जाने को कहा। हम दोनों भाई आई एम टी मानेसर आ गये।

# अनुभव : MESL और बोनी पोलीमर

✶ गुड़गाँव स्थित ***मार्क एग्जास्ट सिस्टम्स लिमिटेड*** फैक्ट्री से 24 अप्रैल को बाहर किये 500 मजदूरों , यूनियनों और श्रम विभाग का कुछ विवरण मजदूर समाचार के जून अंक में दिया था।

फाइनल बताई जा रही 31 मई की तारीख को मैनेजमेन्ट से कोई उपस्थित नहीं हुआ — सब बीमार हो गये थे। श्रम विभाग ने 5 जून की तारीख दी और फिर 8 जून की। लीडरों ने घोषणा की कि 8 जून को फैसला नहीं हुआ तो 9 को न्याय सम्मेलन कर कार्रवाई करेंगे जिसकी जिम्मेदार कम्पनी होगी। मैनेजमेन्ट 8 जून की तारीख पर श्रम विभाग पहुँची ही नहीं। तब 12 जून की तारीख दे दी। चार लोग कम्पनी की तरफ से 12 जून की तारीख पर पहुँचे और बोले कि कम्पनी चेयरमैन नासिक , महाराष्ट्र गया है , साहब के आने पर बतायेंगे। इस पर 23 जून की तारीख दे दी। नेताओं ने अन्य नेताओं के सुझाव लेने के लिये 20 जून को सभा रखी। मैनेजमेन्ट 23 जून की तारीख पर नहीं पहुँची और श्रम विभाग ने 29 की तारीख दे दी। यूनियन लीडर 25 जून को गुड़गाँव में मंत्री और विधायक से मिले। नेताओं ने ऐलान किया कि 29 जून को गुड़गाँव में डी सी ऑफिस पर प्रदर्शन किया जायेगा। मार्क एग्जास्ट के 24 अप्रैल से बाहर किये 500 मजदूरों को जून-अन्त तक मार्च माह के ओवर टाइम के पैसे और अप्रैल के 23 दिन की तनखा तथा ओवर टाइम के पैसे भी नहीं दिये थे। व्हाट्सएप पर सम्पर्क वाले मार्क एग्जास्ट वरकरों से इधर हाल की कोई सूचना नहीं मिली है।

✶ भारत-भर में महत्वपूर्ण ऑटो हब में ***बोनी पोलीमर्स*** की 12 फैक्ट्रियाँ हैं। रेलवे और दुपहिया , कार , ट्रक-बस , ट्रैक्टर आदि की निर्माता सब नामी कम्पनियों की फैक्ट्रियों को बोनी पोलीमर्स हिस्से-पुर्जे सप्लाई करती है।

फरीदाबाद में प्लॉट 132 सैक्टर-24 में ***बोनी पोलीमर्स/प्राइम इंडिया पोलिमिक्स*** फैक्ट्री है। यहाँ 12-12 घण्टे की दो शिफ्टों में करीब 1000 मजदूर काम करते हैं। ओवर टाइम का भुगतान सिंगल रेट से भी कम, 30-32 रुपये प्रतिघण्टा। अधिकतर वरकरों को ठेकेदार कम्पनियों के जरिये रखा है। पी एफ में बहुत गड़बड़ी की जाती है। मोल्डिंग मशीनों पर एक्सीडेन्ट होते रहते हैं। घायलों को ई एस आई अस्पताल ले जाते हैं और फिर ज्यादातर को निकाल देते हैं।

सैक्टर-24 फैक्ट्री के कुछ मजदूर एक यूनियन से जुड़े। चन्दा दिया। दो महीने पहले चण्डीगढ से यूनियन रजिस्ट्रेशन के कागज आये। और , कम्पनी ने तत्काल कई मजदूरों को नौकरी से निकाल दिया। यूनियन ने श्रम विभाग में शिकायत की। दो महीने से तारीखें पड़ रही हैं। तीन जुलाई को तारीख थी...... 5 जुलाई को बाहर किये हुये मजदूरों में से दो वरकर पूछ रहे थे : श्रम विभाग से कुछ मिलेगा क्या ?

***दिल्ली सरकार द्वारा मँहगाई भत्ते की घोषणा के बाद 1 अप्रैल 2017 से निर्धारित न्यूनतम वेतन यह हैं :***

अकुशल श्रमिक 13,584 रुपये मासिक

अर्ध-कुशल श्रमिक 14,958 रुपये मासिक

कुशल श्रमिक 16,468 रुपये मासिक

स्टाफ में स्नातक अथवा अधिक 17,916 रुपये मासिक

यह सूचना दिल्ली में बी एम एस, इन्टक, सीटू, एटक, एच एम एस यूनियनों के महासचिवों को भेजी गई है।

यह सूचना कम्पनियों के संगठनों सी आई आई , फिक्की, पी एच डी सी सी आई, एसेकेम को भेजी गई है।

यह सूचना दिल्ली में सब उप श्रमायुक्तों को भेजी गई है।

***हरियाणा सरकार ने 1 जुलाई से देय महँगाई भत्ते (डी ए) की घोषणा 7 जुलाई तक नहीं की थी।***

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं सम्पादक शेर सिंह के लिए रौनिजा प्रिन्टर्स फरीदाबाद से मुद्रित किया।
RN 42233 पोस्टल रजिस्ट्रेशन L/HR/FBD/73/15-17
सौरभ लेजर टाइपसैटर्स, बी—551 नेहरु ग्राउंड, फरीदाबाद द्वारा टाइपसैट।